BGYET-147

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.सी.जी.)

भूआकृति विज्ञान और भूविवर्तनिकी

1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(2025)

प्रिय विद्यार्थी,

कृपया सत्रीय कार्य से संबंधित अनुभाग स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में पढ़े, जो हमने नामांकन के बाद आपको भेजा है । उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं सतत मूल्यांकन के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का एक सत्रीय कार्य हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, **Part A** और **Part B**। दोनो भागों के कुल अंक 100 हैं, जिनमें से उत्तीर्ण करने के लिए आपको 35 प्रतिशत अंक की आवश्यकता है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....
नाम : .....
पता : .....
.....
पाठ्यक्रम संख्या : .....
पाठ्यक्रम शीर्षक : .....
सत्रीय कार्य संख्या : .....
अध्ययन केंद्र : .....

दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2. अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।
3. प्रत्येक काग़ज़ पर बांयें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।
4. आपके उत्तर स्पष्ट, सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
5. इस सत्रीय कार्य के Part A और Part B को हल करें, और **Part A और Part B सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
6. **सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नियत तिथि के भीतर आपने अध्ययन केंद्र पर जमा करें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।**
7. हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
8. यह सत्रीय कार्य **1 जनवरी, 2025 से लेकर 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध हैं**। यदि आप इस सत्रीय कार्य को **31 दिसम्बर 2025** तक जमा करने में विफल रहते हैं तब आपको वर्ष 2026 का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
9. यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे। किसी भी पूछताछ के लिए आप कृपया संपर्क करें : omkarverma@ignou.ac.in, bdeshmukh@ignou.ac.in।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
भूआकृति विज्ञान और भूविवर्तनिकी

पाठ्यक्रम कोड : BGYET-147
सत्रीय कार्य कोड : BGYET-147/TMA/2025

कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के आगे उसके अंक दर्शाए गए हैं। सभी उत्तर अपने शब्दों में लिखें; पाठ्यक्रम सामग्री से कॉपी न करें।

Part A

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :

   a) भूआकृति की मूल अवधारणाएँ (5)

   b) हिमालय पर्वत श्रृंखला की भूआकृति (5)

2. उपयुक्त उदाहरण की सहायता से रचनात्मक और विनाशात्मक भूआकृतिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए। (10)

3. स्वच्छ और स्पष्ट रूप से रेखांकित किए गए आरेखों की सहायता से हिमनदों की अपरदन और निक्षेपण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (10)

4. भूदृश्य विकास के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए। (10)

5. स्वच्छ और स्पष्ट रूप से रेखांकित किए गए चित्रों की सहायता से कार्स्ट स्थलाकृति के विभिन्न अपरदन भूआकृतियों का वर्णन कीजिए। (10)

Part B

6. समुद्र अधस्तल विस्तारण क्या है? इसके विभिन्न प्रमाणों का विस्तृत वर्णन कीजिए। (10)

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
   a) महासागरों के भूविवर्तनिकी लक्षण (5)
   b) महाद्वीपीय किनारों के भूविवर्तनिकी लक्षण (5)

8. पुराचुम्बकत्व को परिभाषित कीजिए। शैलों में पूराचुम्बकत्व कैसे परिरक्षित होता है? भूचुम्बकीय काल मापक्रम पर एक टिप्पणी लिखिए। (10)

9. स्वच्छ आरेखो की सहायता से स्थलमण्डल और दुर्बलतामण्डल के गठन की व्याख्या कीजिए। प्लेट विवर्तनिकी में इनकी भूमिका की भी चर्चा कीजिए। (10)

10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें।
    a) भारत–एशिया संघट्टन (5)
    b) भारतीय प्रायद्वीप की प्रोटिरोज़ोइक गतिशील पट्टियां (5)